मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार - 848125

कुलपति महोदय का सन्देश

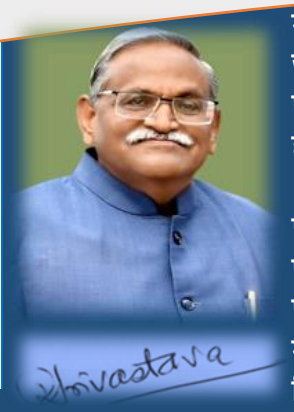

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित 'सुखेत मॉडल' जिसका उल्लेख माननीय प्रधान मंत्री जी ने अपने *मन की बात* के 80वें संस्करण में किया था, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर तेजी से उभर रहा है तथा जमीनी स्तर पर इसकी लोकप्रियता देखी जा रही है। हाल ही में इस मॉडल को सुपौल जिले के संस्कृत निर्मली गांव द्वारा अपनाया गया है ।

इसके साथ हीं, तीन दिवसीय अनुसंधान परिषद की बैठक जिस में विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न बाह्य/आंतरिक वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति पर परिचर्चा की गई । बैठक संतोषजनक रही, जिसमें तीन नई किस्मों और पांच नई प्रौद्योगिकियों को जारी करने की सिफारिश की गई । वैज्ञानिकों द्वारा बैठक में प्रस्तुत की गई नई अनुसन्धान परियोजनाएं भी काफी अच्छी रहीं और किसान केन्द्रित होने के कारण भविष्य मे इन परियोजनाओं से किसानों की आय में वृद्धि होने की उम्मीद भी की जा रही है ।

विश्वविद्यालय परिवार और डिग्री प्राप्त करने वाले हमारे सभी छात्र-छात्राएं 7 नवंबर 2021 को भारत के माननीय उपराष्ट्रपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में होने वाले दूसरे दीक्षांत समारोह के लिए अति-उत्साहित हैं। मैं सभी स्वर्ण पदक और डिग्री ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं और उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं ।

कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 04.10.2021 को गन्ना अनुसन्धान केंद्र, पूसा में गन्ना उत्पादन प्रसंस्करण और रोजगार सृजन पर प्रशिक्षण और फील्ड दिवस का उद्घाटन किया।
- दिनांक 04.10.2021 को पूसा में 'धान प्रक्षेत्र दिवस' समारोह में भाग लिया।
- दिनांक 05.10.2021 को शिक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक11.10.2021 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय , ढोली में आयोजित 'प्रक्षेत्र दिवस' का उद्घाटन किया।
- दिनांक 11.10.2021 को प्रसार गतिविधियों के संबंध में यू.एस.ए के पर्यावरण रक्षा कोष और रा.प्र.के.कृ.वि के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर में भाग लिया।
- दिनांक 11.10.2021 को खाद्य प्रसंस्करण पर उन्नत केंद्र, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा और मैसर्स किसान एग्रो, बिहार शरीफ, नालंदा के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह ("हैंड क्रेन्ड इम्प्रूव्ड चक्की" के व्यावसायीकरण के लिए) में भाग लिया ।
- दिनांक 16.10.2021 को बिहार राज्य उत्पादकता परिषद, पटना द्वारा आयोजित "हमारे कार्य हमारा भविष्य : बेहतर उत्पादन, बेहतर पोषण, बेहतर पर्यावरण और बेहतर जीवन" विषय पर विश्व खाद्य दिवस संगोष्ठी / वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 18.10.2021 से 20.10.2021 तक रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा की अनुसंधान परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 24.10.2021 को मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में एन.एफ.डी.बी. द्वारा प्रायोजित ताजे पानी के विशाल झींगा मत्स्य पालन के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिनांक 25.10.2021 को माननीय उपराष्ट्रपति के बिहार दौरे की पूर्व तैयारी के लिए मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक की।
- दिनांक 27.10.2021 को मेधा और आईआरएमए द्वारा संयुक्त रूप से जारी पुरस्कार प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले रा.प्र.के.कृ.वि के छात्रों को सम्मानित किया।
- दिनांक 28.10.2021 को रा.प्र.के.कृ.वि की अकादमिक परिषद की आठवीं बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 28.10.2021 को रा. प्र. के. कृ. वि के प्रबंधन बोर्ड की 16वीं बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 29.10.2021 को वर्मी कम्पोस्ट प्रोडक्शन सेंटर, संस्कृत निर्मली, सुपौल में 'बुजुर्ग स्वयं सहायता समूह' द्वारा संचालित बायो-वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट (सुखेत मॉडल) का उद्घाटन किया।

खंड -2, अंक -11
नवम्बर, 2021

संरक्षक :

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :

डॉ. (राकेश मणि शर्मा,
पी. कु. प्रणव,
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कु.पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी)

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

मुद्रण:

प्रकाशन प्रभाग
रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा

संपर्क: www.rpcau.ac.in

शैक्षणिक गतिवधियां

➢ 8वीं अकादमिक परिषद की बैठक दिनांक 28-10-2021 को संपन्न हुई और 7 नवंबर 2021 को निर्धारित रा. प्र. के. कृ. वि के द्वितीय दीक्षांत समारोह में 01-10-2018 से 15-09-2021 के दौरान उत्तीर्ण छात्रों को स्नातक, परास्नातक और पी.एच.डी. में डिग्री एवं स्वर्ण पदक प्रदान करने हेतु विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी ।

➢ अंतर-महाविद्यालय और अंतर-विश्वविद्यालय भाषण प्रतियोगिता

छात्र कल्याण निदेशालय, रा. प्र. के. कृ. वि पूसा द्वारा 25 अक्टूबर और 27 अक्टूबर 2021 के बीच 15वें कृषि विज्ञान कांग्रेस 2021 के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन पंचतंत्र हॉल में किया गया । भाषण का विषय "स्थायी कृषि के लिए ऊर्जा का अनुकूलन" था। डॉ. एस. रॉय चौधरी, अधिष्ठाता, आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, डॉ. बी कुमार, स्कॉलर रेसिडेंस और डॉ रंजन लायक निर्णायक मंडल की भूमिका में उपस्थित रहे । इंटर कॉलेज भाषण की विजेता मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली से सुश्री मेघा और उपविजेता सुश्री अलीना एंटनी को घोषित किया गया । अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन 27 अक्टूबर, 2021 को माननीय कुलपति की अध्यक्षता में जोन IV के क्षेत्रीय समन्वयक के रूप में किया गया । इस कार्यक्रम में 12 विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। विजेता OUAT, भुवनेश्वर के श्री सोहम शाऊ, BAU, कांके, रांची के श्री रौनक सिंह ने दूसरा और रा. प्र. के. कृ. वि, पूसा ने तीसरा और चौथा स्थान प्राप्त किया। पहले दो विजेताओं को बीएचयू, वाराणसी में 13-16 नवंबर तक होने वाली XV कृषि कांग्रेस के लिए नामांकित किया गया ।

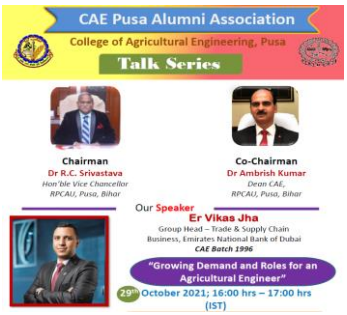

➢ कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय पूसा में व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन

दिनांक 29 अक्टूबर 2021 को कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय पूसा एलुमनी एसोसिएशन ने 9वीं व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। ई. विकास झा, ग्रुप हेड - ट्रेड एंड सप्लाई चेन, बिजनेस, अमीरात नेशनल बैंक ऑफ दुबई. सी.ए.ई बैच 1996, उन्होंने "कृषि इंजीनियर की बढ़ती मांग और भूमिका" पर एक व्यावहारिक और महत्वाकांक्षी व्याख्यान दिया ।

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ 11वीं अनुसंधान परिषद की बैठक (रबी) आयोजित

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के विद्यापति सभागार में 18 से 20 अक्टूबर, 2021 तक विश्वविद्यालय की 11वीं शोध परिषद बैठक, रबी-2021 आयोजित की गयी जिसका उद्घाटन माननीय कुलपति महोदय ने किया। इस अवसर पर प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. ए.के. शर्मा पूर्व निदेशक, राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो मऊ (उ.प्र.) ने आमंत्रित वैज्ञानिक अतिथि के रूप में शिरकत की। गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पुस्तकों/बुलेटिनों का विमोचन किया गया। वर्तमान में, विश्वविद्यालय में 4 करोड़ रुपये की 82 विश्वविद्यालय वित्त पोषित परियोजनाएं, सात बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं (आई.आर.आर.आई, मोकामा घाट परियोजना के दो, हेल्पेज इंडिया की एक, राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड परियोजना की एक परियोजना), 33 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान प्रायोजनाएं, 05 उत्कृष्टता केंद्र, 03 विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाएं, 01 DST परियोजना और 01 परामर्श परियोजनाएं चल रही हैं। कार्यक्रम के दौरान 11 नए शोध प्रस्तावों को स्वीकृति के लिए बैठक में प्रस्तुत किया गया। पांच नई प्रौद्योगिकियों के साथ तीन नई किस्मों, 2 गन्ना और पॉइंट गार्ड किस्मों को जारी करने का प्रस्ताव भी किया गया ।

➢ हाइब्रिड बीज उत्पादन परियोजना में फसल कटाई का प्रदर्शन

29 अक्टूबर, 2021 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में "किसान सहभागी हाइब्रिड धान बीज उत्पादन और मूल्यांकन कार्यक्रम" के तहत फसल कटाई का प्रदर्शन किया गया । हाइब्रिड धान आर. आर. एच -1 और आर.आर.एच -2 जीनोटाइप की अनुमानित उपज 27.16 और 25.00 क्विंटल/ हेक्टेयर, क्रमशः 12% नमी के स्तर पर दर्ज की गयी । इस अवसर पर तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली और सह-अनुसन्धान निदेशक सहित अन्य संबद्ध वैज्ञानिक, डी.ए.ओ, मुजफ्फरपुर और किसान उपस्थित रहे ।

➢ 11वीं अनुसंधान परिषद की बैठक में प्रौद्योगिकी जारी

11वीं अनुसंधान परिषद की बैठक में जारी प्रौद्योगिकी के अंतर्द्वागत भिंडी की कटाई के लिए एक हाथ चालित उपकरण जारी किया गया। प्रौद्योगिकी को कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में डिजाइन

और विकसित किया गया, जिसमें विशिष्ट विशेषताएं जैसे - संचालन में आसानी, न्यूनतम हाथ की चोटें और कटाई की गई भिंडी की शेल्फ लाइफ बढ़ाने जैसी विशेषताएं हैं । उपकरण की क्षमता और लागत क्रमशः 13.64 किग्रा/घंटा और रु. 200/- है ।

- मीठे पानी की विशालकाय झींगा मछली पालन का उद्घाटन डॉ. एल. मुरुगन, माननीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री, भारत सरकार, ने **24** अक्टूबर, **2021** को वर्चुअल मोड के माध्यम से मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में मीठे पानी की विशालकाय झींगा मछली पालन फैसिलिटी का उद्घाटन किया।

- डॉ. (श्रीमती) सुवर्णा चंद्रप्पागरी, आई.एफ.एस, मुख्य कार्यकारी, एन.एफ.डी.बी, हैदराबाद ने **26** अक्टूबर, **2021** को मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में एन.एफ.डी.बी के अंतर्चगत चल रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली का दौरा किया।

- श्री मुकेश सहनी, माननीय पशु और मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार सरकार के मंत्री ने 27 अक्टूबर 2021 को पटना के रानीघाट में एन.एफ.डी.बी प्रायोजित नदी पशुपालन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। रिवर रैंचिंग कार्यक्रम के तहत तीन नदियों गंगा, गंडक और बूढ़ी गंडक में से प्रत्येक में दो लाख मत्स्य बीज छोड़े गए।

प्रसार गतिविधियाँ

- किसानों की गुणवत्तापूर्ण आलू बीज की मांग को पूरा करने के लिए रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के प्रयास में योगदान देने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली, समस्तीपुर ने रबी 2020-21 के दौरान आलू के बीज उत्पादन केंद्र ने कुफरी मोहन किस्म के 105 क्विंटल गुणवत्ता वाले बीज का उत्पादन किया है। विश्वविद्यालय और संस्थान के कृषि विज्ञान केंद्र के साथ जुड़ाव को मजबूत करने के लिए, बीज की आपूर्ति भा.कृ. अनु.प. - कृषि विज्ञान केंद्र, बक्सर (30 कुंतल), कृषि विज्ञान केंद्र, गया, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर (30 कुंतल), कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी (10 कुंतल) को की जाती है। बीज का उपयोग मुख्य रूप से कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के तहत बीज उत्पादन कार्यक्रम और अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के तहत किया गया ।

- **वर्ष 2020-21 के लिए 14वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी)** की बैठक दिनांक 22.10.2021 को अनिवार्य प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत कर वर्ष 2021-22 की कार्य योजना को विचार-विमर्श के साथ अंतिम रूप देने हेतु डॉ. एम.एस. कुंडू, निदेशक, प्रसार शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया जिसमे में उप निदेशक, प्रसार शिक्षा ने भी भाग लिया ।

- **मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम** तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में दिनांक 21.10.2021 को प्रयत्न, एन.जी.ओ, मुजफ्फरपुर के 40 किसानों के सहयोग से आयोजित किया गया । प्रशिक्षण का उद्घाटन अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने किया।

- **उर्वरक डीलरों को एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन प्रशिक्षण:** कृषि विज्ञान केंद्र, बिरौली ने समस्तीपुर जिले के उर्वरक डीलरों के लिए दिनांक 16.10.2021 से 30.10.2021 के दौरान 15 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

- **महात्मा गाँधी केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय**, मोतिहारी के माननीय कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी, पूर्वी चंपारण-द्वितीय के तकनीकी मार्गदर्शन में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के मुख्य परिसर में पोषण वाटिका की स्थापना विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों और वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी, पूर्वी चंपारण-द्वितीय की उपस्थिति में उद्घाटन किया गया।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने दिनांक 15.10.2021** को केवीके तुर्की में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत महिला किसान दिवस कार्यक्रमों का आयोजन किया, इस कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ. ए. के. सिंह अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली, ने भारतीय कृषि में कृषक महिलाओं की भूमिका

पर चर्चा की और इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य और संतुलित आहार के लिए पोषक-वाटिका के लिए कृषक महिलाओं को सब्जी बीज का वितरण किया इन कार्यक्रम में 43 कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

- **दिनांक 16.10.2021 को कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की** द्वारा अजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्व खाद्य दिवस का आयोजन किया गया जिसमे डॉ. ए. के. सिंह अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने बच्चों के लिए खाद्य सुरक्षा और बायो-फोर्टिफाइड किस्म उगाने और हमारे भोजन, मौसमी सब्जी और दालों में बाजरा की प्रमुख भूमिका पर विस्तृत चर्चा की। इस कार्यक्रम में 57 किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

- **कृषि मशीनरी सेवाएं और रखरखाव तकनीक" पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम** कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय पूसा द्वारा "सेवाएं और रखरखाव तकनीक-कृषि मशीनरी" पर 26-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बिहार में कृषि मशीनीकरण को गति देने के उद्देश्य से बिहार सरकार द्वारा महाविद्यालय को ऐसे नौ प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए गए हैं। सुपर सीडर का फील्ड प्रदर्शन 31 अक्टूबर, 2021 को डॉ. एस के पटेल, विभागाध्यक्ष, एफ.एम.पी.ई. द्वारा आयोजित किया गया । सुपर सीडर प्रेस व्हील के साथ रोटरी टिलर और प्लांटर का एक संयोजन है, जो धान, गन्ना, कपास, केला, मक्का आदि की पराली और जड़ों को हटाने के लिए उपयोगी यंत्र है।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की** ने परियोजना निदेशक आत्मा, मुजफ्फरपुर के सहयोग से एकदिवसीय रबी महाभियान के अंतर्गत किसान चौपाल का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता आत्मा निदेशक, मुजफ्फरपुर ने की | इस कार्यक्रम में 233 किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की ने जलवायु अनुकूल कार्यक्रमों के तहत जैविक खेती के तरीकों पर व्याख्यान दिया।
- **कृषि विज्ञान केंद्र, सारण** ने बिहार के सारण जिले में प्राथमिक शाखाओं की गर्डलिंग के माध्यम से लीची अनियमित फलन के विनियमन विषय पर ऑन फार्म परीक्षण (ओ.एफ.टी.) का आयोजन किया, जिसे सारण जिले के 7 चिन्हित किसानो के प्रक्षेत्रों पर शुरू किया गया ।
- **विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज** ने उन्नत उपज देने वाली किस्मों के लिए नवीन गन्ना निपटान प्रत्यारोपण तकनीक (एस.टी.टी.) का प्रदर्शन किया। गन्ने की फसल में बीज की आवश्यकता को कम करने के लिए सिंगल बड सेटलिंग ट्रांसप्लांटिंग, स्पेस ट्रांसप्लांटिंग (एस.टी.पी.) और पॉलीबैग नर्सरी कुछ विकल्प उपलब्ध हैं। कृषि विज्ञान केंद्र ने गन्ना एस.टी.टी. पर एक प्रशिक्षण और विधि प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन में भाग लेने वाले 30 किसानों को गुणवत्ता बीज उत्पादन के लिए कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित लगभग 40000 गन्ने के पौधे (राजेंद्र गन्ना -1) प्रदान किये गये।

- **दिनांक 15.10.2021 को कृषि विज्ञान केंद्र, भगवानपुर हाट, सीवान** द्वारा **कृषि विज्ञान केंद्र** के परिसर में "महिला किसान दिवस" का आयोजन किया गया । डॉ. ए.आर. कुमारी (वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष) एवं श्री मोहन मुरारी, सी.ई.ओ, फार्मर फेस ने महिला किसानों को संबोधित किया। इस अवसर पर लगभग 52 कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

पुरस्कार, खेल, महत्वपूर्ण दिवस इत्यादि

- **डॉ. एम.एल. मीना, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष**, कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने कशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आई.एस.ई.ई. राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक 4-6 अक्टूबर 2021 के दौरान आई.एस.ई.ई. फेलो अवार्ड 2021 प्राप्त किया। यह पुरस्कार डॉ. ए. के. सिंह उप महानिदेशक (कृषि प्रसार), भा.कृ.अनु.प., कृषि भवन, नई दिल्ली, द्वारा डॉ यू.एस. गौतम, कुलपति, बांदा कृषि विश्वविद्यालय, डॉ वी. शुक्ला कुलपति, बी.एच.यू और उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय कृषि मंत्री की उपस्थिति में प्रदान किया गया ।

- **डॉ. विनय कुमार शर्मा, प्राध्यापक एवं अध्यक्ष**, कृषि जैव प्रौद्योगिकी और आणविक जीव विज्ञान विभाग ने पादप आनुवंशिकी, पादप प्रजनन और पादप जीनोमिक्स में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए ई.एस.डी.ए. फेलोशिप अवार्ड-2021 प्राप्त किया। भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में 1 से 3 अक्टूबर, 2021 तक आयोजित द्वितीय विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन - 2021 में पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ द्वारा यह पुरस्कार प्रदान किया गया।